Roll No. ..... Total Pages : 3

GSE/M-21 **1411**

SANSKRIT (ELECTIVE)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 80

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) गीता में कुल कितने श्लोक हैं?

(ख) कर्मण्येवाधिकारस्ते ..... । श्लोक को पूरा कीजिए।

(ग) 'नीतिशतकम्' के लेखक का नाम लिखिए।

(घ) न्याय्यात्पथः ..... पदं न धीराः। रिक्त स्थान भरें।

(ङ) 'नदीनाम्' में विभक्ति और वचन लिखिए।

(च) 'भजेयुः' में लकार, पुरूष और वचन लिखिए।

(छ) 'अनुष्टुप्' छन्द में एक श्लोक लिखें।

(ज) 'सह' के योग में कौन-सी विभक्ति होती है? (8×2=16)

2. (क) निम्नलिखित **दो** श्लोकों का सरलार्थ कीजिए-

(i) व्यं हि न व्यथयन्त्येते पुरुषं पुरुषर्षभ।
समदुःखसुखं धीरं सोऽमृतत्वाय कल्पते।।

(ii) क्लैव्यं मा स्म गम पार्थ नैतत्त्वय्युपपद्यते।
क्षुद्रं हृदयदौर्बल्यं त्यक्त्वोत्तिष्ठ परन्तप।।

(iii) वासांसि जीर्णानि यथा विहाय
नवानि गृहणाति नरोऽपराणि।
तथा शरीराणि विहाय जीर्णान्य-
न्यानि संवति नयानि देही।।

(iv) यथा संहरते चायं कुर्मोडङ्गानीव सर्वशः।
इन्द्रियाणीन्द्रियार्थेभ्यस्तस्य प्रज्ञा प्रतिष्ठित्ता। (2×5=10)

(ख) 'गीता' के पाठ के आधार पर आत्मा की अमरता का विवेचन कीजिए।

अथवा

गीता के दूसरे अध्याय का सार लिखिए। (1×6=6)

3. (क) निम्नलिखित दो श्लोकों का सरलार्थ कीजिए-

(i) गजभुजंग विहंगमबन्धनं शशिदिवाकरयोर्ग्रहपीडनम्।
मतिमतां च विलोक्य दरिद्रतां विधिरहो बलवानिति में मतिः।।

(ii) यथा कन्दुकपातेनोत्पतत्यार्यः पतन्नति।
तथा त्वनार्यः पतति मृत्पिण्डपतनं यथा।।

(iii) पापान्निवारयति योजयते हिताय
गुह्यंत्र निगूहति गुणान्प्रकटीकरोति।
आपद्गतं च न जहाति ददाति काले
सन्मित्रलक्षणामिदं प्रवदन्ति सन्तः।।

(iv) भवन्ति नम्रास्तखः फलोद्गमै-
र्नषाम्बुभिर्दूरविलम्बिनो घनाः।
अनुद्धताः सत्पुरुषा समृद्धिभिः
स्वभावः एवैष परोप कारिणाम्।। (2×5=10)

(ख) निम्न में से **एक** सूक्ति की व्याख्या कीजिए-

(i) सत्सङ्गति कथय कि न करोति पुंसाम्।

(ii) शीलं परं भूषणम्। (1×6=6)

4. (क) फल **अथवा** युष्मद् (पुलिङ्ग) शब्द के सम्पूर्ण रूप लिखें।

(1×8=8)

(ख) निम्नलिखित **दो** धातुओं के यथानिर्दिष्ट लकारों के रूप में लिखें-

$\sqrt{}$पठ्-लङ् लकार, $\sqrt{}$भज्-लट् लकार

$\sqrt{}$नश्-लृट् लकार, $\sqrt{}$पच्-लोट् लकार। (2×4=8)

5. (क) निम्नलिखित **दो** छन्दों का लक्षण तथा उदाहरण सहित वर्णन करें:

आर्या, उपेन्द्रवज्रा, वंशस्थ, वसन्ततिलका। (2×4=8)

(ख) निम्नलिखित में से **चार** का संस्कृत में अनुवाद कीजिए-

(i) बालक कुत्ते से डरता है।

(ii) ज्ञान के बिना मुक्ति नहीं।

(iii) वह कलम से लिखती है।

(iv) हिमालय से गंगा निकलती है।

(v) वह भोजन खाता है।

(vi) आज रविवार है।

(vii) मोहन विद्यालय जाता है।

(viii) वह पैर से लंगड़ा है। (2×4=8)